सिंधु घाटी सभ्यता की वास्तुकला एवं नगर तथा भवनों की विशेषताएं

भाग:-7

डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग
SNSRKS College Saharsa

अन्नागार

सैन्धव सभ्यता के मुख्य नगर मोहनजोदड़ो से प्राप्त अन्नागार सभ्यता के उन्नत वास्तुकला का परिचय देते है.

1. मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार के पश्चिम में 150 फीट की लम्बाई तथा 75 फीट की चौड़ाई के आकार का एक भवन मिला है. विद्वान इसे अन्नागार बताते है.

2. इस भवन में ईंटों के बने विभिन्न आकार के 27 चैम्बर या कोठरी मिलती है.

3. अन्नागार में हवा जाने के लिए स्थान बनाये गये थे. उसके उत्तर की ओर एक चबूतरा है जो अन्न रखने और निकलने के समय प्रयोग किया जाता रहा होगा.

4. अन्नागार का सुदृढ़ आकार-प्रकार, हवा आने जाने की व्यवस्था तथा इसमें अन्न भरने की सुविधा आदि निसंदेह उच्च कोटि की थी.

5. विद्वानों का विचार है की यह राजकीय भंडारागार था जिसमें जनता से कर के रूप में वसूल किया गया अनाज रखा जाता था. मिस्त्र तथा मेसोपोटामिया के सभ्यता में भी इस प्रकार के अन्नागार के अवशेष मिले है.

मोहनजोदड़ो के अतिरिक्त हड़प्पा में भी अन्नागारों की दो पंक्तियाँ मिली है. प्रत्येक में 6-6 अन्नागार है. प्रत्येक का आकार 50 फीट x 20 फीट है. सभी के दरवाजे उत्तर दिशा में नदी के ओर है. शायद ऐसा इसीलिए बनाया गया था ताकि अन्नो को आसानी से नदियों के द्वारा भेजा जा सकें.